Course code	Modern Logic, Paper-I (Core Course 5A)	L	T	P	C
BPHIL20Y301	आधुनिक तर्कशास्त्र – प्रश्न पत्र–1	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- तर्कशास्त्र का व्यापक ज्ञान कराना।
- छात्रों में न्यायशास्त्र के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- तर्कणा शक्ति को विकसित करना।
- तार्किक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- तार्किक/दार्शनिक परम्पराओं का ज्ञान होना।
- तर्कशैली की विशेषताओं से परिचित होना।
- तर्कशास्त्र के योगदान से परिचित होना।
- आदर्श जीवन के लिए तर्क की उपयोगिता का पता लगना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में तार्किक कौशल का विकास होना।
- छात्रों में तर्क के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- तर्क की नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- तर्कणा शक्तिकी क्षमता का ज्ञान होना।

Unit-1	15

तर्कशास्त्र क्या है–

- तर्कशास्त्र की परिभाषा।
- युक्ति का स्वरूप।
- आगमन और निगमन।
- सत्यता और वैधता।

Unit – 2	15

परम्परागतवर्ग विरोध–

- व्याघातकता,
- विपरीतता।
- अनुविपरीतता।
- श्रेयता,
- अनुभाव।

Unit-3	15

विचार के नियम–

- तादात्म्य नियम, व्याघात नियम, मध्याभाव नियम।
- उभयतः पाश– स्वरूप, आकार और खण्डन।
- सत्यता फलन और सत्यता फलक सम्बन्धक–सरल और मिश्र प्रतिज्ञप्ति, संयोजन।

Unit-4	15

Course code	Modern Logic, Paper-I (Core Course 5A)	L	T	P	C
BPHIL20Y301	आधुनिक तर्कशास्त्र – प्रश्न पत्र–1	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- तर्कशास्त्र का व्यापक ज्ञान कराना।
- छात्रों में न्यायशास्त्र के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- तर्कणा शक्ति को विकसित करना।
- तार्किक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- तार्किक/दार्शनिक परम्पराओं का ज्ञान होना।
- तर्कशैली की विशेषताओं से परिचित होना।
- तर्कशास्त्र के योगदान से परिचित होना।
- आदर्श जीवन के लिए तर्क की उपयोगिता का पता लगना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में तार्किक कौशल का विकास होना।
- छात्रों में तर्क के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- तर्क की नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- तर्कणा शक्तिकी क्षमता का ज्ञान होना।

Unit-1 — **15**

तर्कशास्त्र क्या है–

- तर्कशास्त्र की परिभाषा।
- युक्ति का स्वरूप।
- आगमन और निगमन।
- सत्यता और वैधता।

Unit – 2 — **15**

परम्परागतवर्ग विरोध–

- व्याघातकता,
- विपरीतता।
- अनुविपरीतता।
- श्रेयता,
- अनुभाव।

Unit-3 — **15**

विचार के नियम–

- तादात्म्य नियम, व्याघात नियम, मध्याभाव नियम।
- उभयतः पाश– स्वरूप, आकार और खण्डन।
- सत्यता फलन और सत्यता फलक सम्बन्धक–सरल और मिश्र प्रतिज्ञप्ति, संयोजन।

Unit-4 — **15**

Dr. Ashish

न्यायवाक्य– • मानक संरचना, आकार एवं योग। • न्यायवाक्य के परीक्षण की प्रविधियाँ– नियम, दोष व वेन रेखाचित्र ।
Unit-5 **15**
तर्कशास्त्र की वैज्ञानिक व्याख्या– • स्वरूप,मूल्यांकन और सीमाएं। • मिल की पद्धतियाँ। भक्तामर हीलिंग और योगमुद्रा।

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text/ Reference Books		

1. इण्ट्रोडक्शन टु लॉजिक–आइ. एम. कोपी, अनुवादक–संगमलाल पाण्डे
2. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र–आर.एन.मिश्र, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. सिम्बालिक लॉजिक–आई.एम. कोपी, मैकमिलन एण्ड कम्पनी,न्यूयार्क।
4. तर्करेखा–सुरेन्द्र बारलिंगे, राजस्थान ग्रंथ अकादमी।
5. सरल निगमनात्मक तर्कशास्त्र–(भारतीयऔर पाश्चात्य) अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
6. तर्कशास्त्र प्रवेश– डॉ.बांकेलाल शर्मा, हरियाणा ग्रंथ एकादमी।
7. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र प्रवेशिका– अशोक कुमार वर्मा, मोतीलाल,बनारसीदास, वाराणसी।
8. इण्ट्रोडक्शन टू लॉजिक–जोसेफ।
9. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र–राजनारायण, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
10. तर्करेखा–सुरेन्द्र बारलिंगे, राजस्थान ग्रंथ अकादमी।
11. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र–आर. एन. मिश्र, राजस्थान अकादमी, जयपुर।

Course code	Religion Philosophy, Paper-II (Core Course 5B)	L	T	P	C
BPHIL20Y302	धर्म दर्शन, प्रश्न पत्र – 2	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- भारतीय धर्म–दर्शन की व्यापक जानकारी देना।
- छात्रों में धर्म और दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- धर्म और नैतिकता को जानने–समझने जमीन तैयार करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- चिन्तन सम्बन्धी क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- समकालीन धर्म–दर्शन के नैतिक तथ्यों की जानकारी देना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में वैचारिक समझ का विकास होना।
- छात्रों में विचारों के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- वैचारिक क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- धार्मिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1	15

- धर्म का स्वरूप।
- विज्ञान दर्शन और धर्म

Unit – 2	15

- धर्म की उत्पत्ति के सिद्धान्त।
- भारतीय दर्शन में ईश्वर की अवधारणा।
- ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण।

Unit-3	15

- धार्मिक अनुभव और धार्मिक चेतना।

Unit-4	15

- ईश्वर के अस्तित्व के विषयक विमर्श।
- ईश्वरवाद।
- सर्वेश्वरवाद।

Unit-5	15

- ईश्वर।
- मनुष्य।
- जगत्।
- अन्तः सम्बन्ध।

Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text/ Reference Books		

1. धर्म दर्शन–याकूब मसीह, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी पटना (बिहार)।
2. धर्म दर्शन की रूपरेखा– हरेन्द्र प्रकाश सिन्हा, बुक लैण्ड, इलाहाबाद।।
3. धर्म दर्शन की रूपरेखा–हृदय नारायण मिश्र, ज्ञानपुर वाराणसी।
4. धर्म दर्शन–दुर्गादत्ता पाण्डेय, भोखर प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. धर्म दर्शन–राजेन्द्रप्रसाद पाण्डेय, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी भोपाल।
6. धर्म दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. शिवभानु सिंह, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
7. धर्म दर्शन की रूपरेखा–लक्ष्मीनिधि शर्मा, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद।
8. धर्म दर्शन की मूलधाराएँ–वेद प्रकाश वर्मा, हिन्दी समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
9. मूकमाटी– आचार्य विद्या सागरजी, ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
10. सामाजिक, नैतिक, बौद्धिक,क्रान्ति कैसे? ,पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय, परिमल प्रकाशन दिल्ली।
11. हमारी भावी पीढ़ी और उसका नव निर्माण,पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय परिमल प्रकाशन दिल्ली।
12. धर्म तत्व का दर्शन का मर्म, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय परिमल प्रकाशन दिल्ली।
13. धर्म तन्त्र से लोक शिक्षण,पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, गायत्री तपो भूमि मथुरा।
14. भारतीय संस्कृति आधार भूततत्व, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय परिमल प्रकाशन दिल्ली।
15. विज्ञान और अध्यात्म परस्परपूरक, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय परिमल प्रकाशन दिल्ली।
16. धर्मचक्र प्रवर्त्तन एवं लोकमानस का शिक्षण, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय, परिमल प्रकाशन दिल्ली।